

Fig. 1: Lines 1 to 33 of the Gāndhārī *Prajñāpāramitā*.

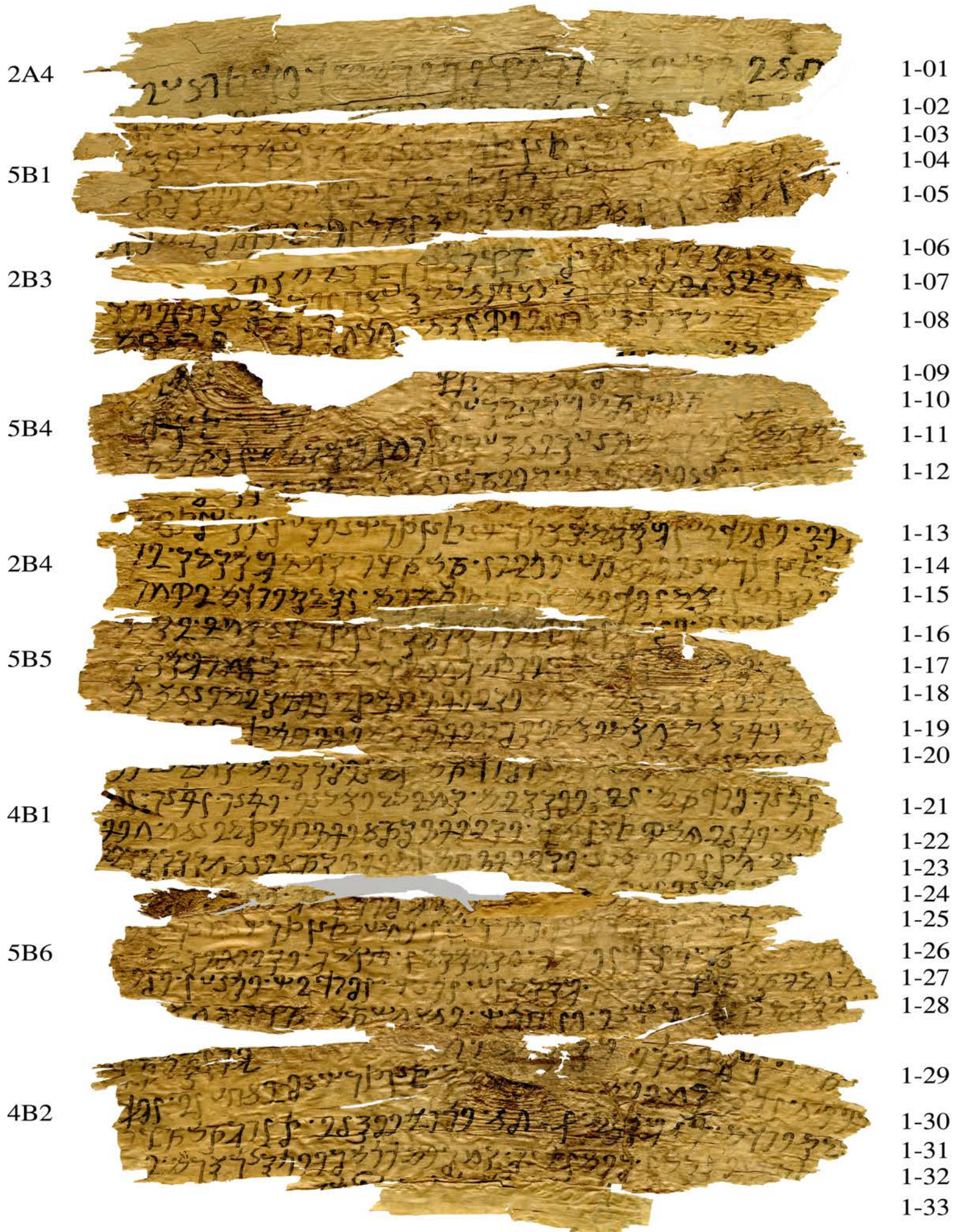


Fig. 2: Lines 29 to 56 of the Gāndhārī *Prajñāpāramitā*.

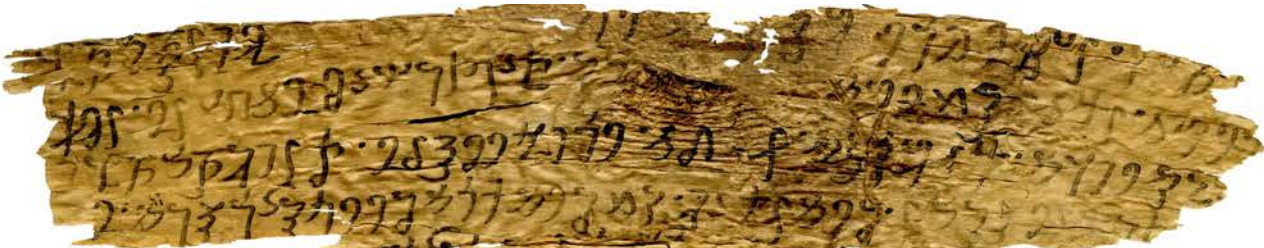






| | | |
|-----|--|------|
| |  | 1-29 |
| 4B2 | | 1-30 |
| | | 1-31 |
| | | 1-32 |
| | | 1-33 |
| 5B7 |  | 1-34 |
| | | 1-35 |
| | | 1-36 |
| | | 1-37 |
| |  | 1-38 |
| 4B3 | | 1-39 |
| | | 1-40 |
| | | 1-41 |
| | | 1-42 |
| 1A7 |  | 1-43 |
| | | 1-44 |
| | | 1-45 |
| | | 1-46 |
| |  | 1-47 |
| 4A2 | | 1-48 |
| | | 1-49 |
| | | 1-50 |
| | | 1-51 |
| 1A2 |  | 1-52 |
| | | |
| 1A5 |  | 1-53 |
| | | 1-54 |
| | | 1-55 |
| | | 1-56 |

Fig. 3: The colophon of the Gāndhārī *Prajñāpāramitā*.

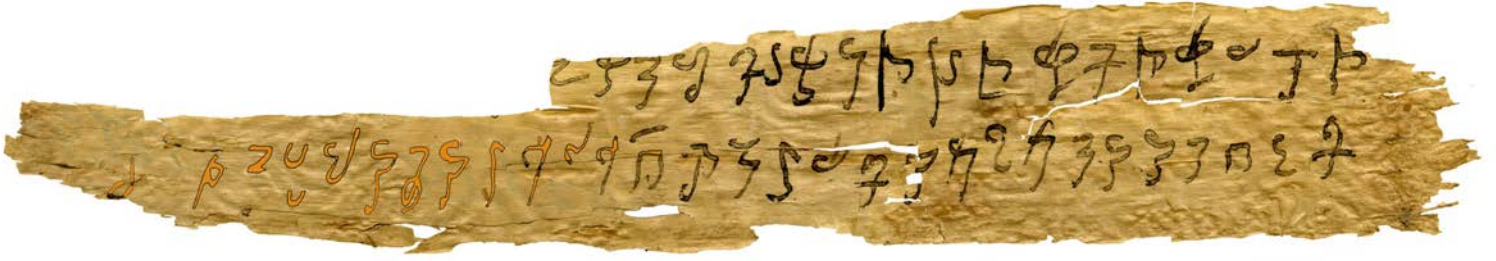


Fig. 4: Original sequence of the segments, inscribed or blank (gray).

